

中国古典文化精华

# 唐诗三百首

◆〔清〕蘅塘退士 编



时代文艺出版社

中国古典文化精华

# 唐诗三百首

清·蘅塘退士选编

赵 机 编译

时代文艺出版社

**图书在版编目(CIP)数据**

唐诗三百首/(清)蘅塘退士编. —长春:时代文艺出版社,  
2001.10

(中国古典文化精化/吴兆基,武春华主编)

ISBN 7-5387-1596-7

I. 唐… II. 蘅… III. 唐诗—选集 IV. I222.742

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2001)第 078653 号

## **唐诗三百首**

---

**作 者:**蘅塘退士

**责任编辑:**刘德来

**出 版:**时代文艺出版社

(长春市人民大街 124 号 邮编:130021 电话:5638648)

**发 行:**时代文艺出版社

**印 刷:**北京昌平环球印刷厂

**开 本:**850×1168 毫米 32 开

**字 数:**3400 千字

**印 张:**445 印张

**版 次:**2001 年 11 月第 1 版

**印 次:**2001 年 11 月第 1 次印刷

**印 数:**1-5000 册

---

**书 号:**ISBN 7-5387-1596-7/I·1530

**定 价:**450.00 元(全套)

## 前 言

唐诗是中国文学中一颗名珠,历来受到人们的喜爱。“熟读唐诗三百首,不会吟诗也会吟,因此,《唐诗三百首》更加受到人们重视。

唐诗的选本很多,《唐诗三百首》的选本也不下十种。然而,在众多的选本之中,以清朝乾隆时蘅塘退士所编选的《唐诗三百首》流传最广,影响最大。这个选本是以清代沈德潜编选的《唐诗别裁》为蓝本,其选诗“专就唐诗中脍炙人口之作,择其尤要者”。其标准是“易于成诵”者,作儿童启蒙读物,“为家塾课本,俾童而习之,白首亦莫解废”。

本书在注释上汲取前人的研究成果,力求简要详明,赏析能抓住作品特点,清丽扼要,便于文学爱好者和青少年领会唐诗。本书装帧高雅,通俗实用,非常适合读者阅读使用。

编 者

2001年11月

## 原 序

世俗儿童就学，即授《千家诗》，取其易于成诵，故流传不废。但其诗随手掇拾，工拙莫辨，且止五七律绝二体，而唐、宋人又杂出其间，殊乖体制。因专就唐诗中脍炙人口之作，择其尤要者，每体得数十首，共三百余首，录成一编，为家塾课本。俾童而习之，白首亦莫能废，较《千家诗》不远胜耶？谚云：“熟读唐诗三百首，不会吟诗也会吟。”请以是编验之。

## 目 录

## 卷一·五言古诗

- 张九龄:感 遇(选二) ..... (1)
- 李 白:下终南山过斛斯山人宿置酒 ..... (2)
- 月下独酌 ..... (3)
- 春 思 ..... (4)
- 杜 甫:望 岳 ..... (5)
- 赠卫八处士 ..... (6)
- 佳 人 ..... (7)
- 梦李白(二首) ..... (8)
- 王 维:送綦毋潜落第还乡 ..... (10)
- 送 别 ..... (11)
- 青 溪 ..... (11)
- 渭川田家 ..... (12)
- 西施咏 ..... (13)
- 孟浩然:秋登兰山寄张五 ..... (14)
- 夏日南亭怀辛大 ..... (15)
- 宿业师山房待丁大不至 ..... (15)
- 王昌龄:同从弟南斋玩月,忆山阴崔少府 ..... (16)
- 丘 为:寻西山隐者不遇 ..... (17)
- 綦毋潜:春泛若耶溪 ..... (18)
- 常 建:宿王昌龄隐居 ..... (19)
- 岑 参:与高适、薛据登慈恩寺浮阁 ..... (20)
- 元 结:贼退示官吏 ..... (21)
- 韦应物:郡斋雨中与诸文士燕集 ..... (23)
- 初发扬子寄元大校书 ..... (24)
- 寄全椒山中道士 ..... (25)
- 长安遇冯著 ..... (26)
- 夕次盱眙县 ..... (27)
- 东 郊 ..... (27)
- 送杨氏女 ..... (28)

|             |      |
|-------------|------|
| 柳宗元:晨诣超师读禅经 | (30) |
| 溪居          | (31) |
| 乐府          |      |
| 王昌龄:塞上曲     | (32) |
| 塞下曲         | (33) |
| 李白:关山月      | (34) |
| 子夜吴歌        | (35) |
| 长干行         | (35) |
| 孟郊:列女操      | (37) |
| 游子吟         | (38) |

## 卷二·七言古诗

|                  |      |
|------------------|------|
| 陈子昂:登幽州台歌        | (39) |
| 李颀:古意            | (40) |
| 送陈章甫             | (41) |
| 琴歌               | (42) |
| 听董大弹胡笳兼寄语弄房给事    | (43) |
| 听安万善吹觱篥歌         | (44) |
| 孟浩然:夜归鹿门歌        | (46) |
| 李白:庐山谣寄卢侍御虚舟     | (46) |
| 梦游天姥吟留别          | (48) |
| 金陵酒肆留别           | (51) |
| 宣州谢朓楼饯别校书叔云      | (52) |
| 岑参:走马川行奉送封大夫出师西征 | (53) |
| 轮台歌奉送封大夫出师西征     | (54) |
| 白雪歌送武判官归京        | (56) |
| 杜甫:韦讽录事宅观曹将军画马图  | (57) |
| 丹青引(赠曹将军霸)       | (60) |
| 寄韩谏议注            | (62) |
| 古柏行              | (64) |

## 卷三·七言古诗

|                 |      |
|-----------------|------|
| 杜 甫:观公孙大娘弟子舞剑器行 | (66) |
| 元 结:石鱼湖上醉歌(并序)  | (69) |
| 韩 愈:山 石         | (71) |
| 八月十五日夜赠张功曹      | (72) |
| 谒衡岳庙遂宿岳寺题门楼     | (74) |
| 石鼓歌             | (76) |
| 柳宗元:渔 翁         | (80) |
| 白居易:长恨歌         | (82) |
| 琵琶行(并序)         | (88) |
| 李商隐:韩 碑         | (93) |

## 卷四·七言乐府

|             |       |
|-------------|-------|
| 高 适:燕歌行(并序) | (98)  |
| 李 颀:古从军行    | (100) |
| 王 维:洛阳女儿行   | (101) |
| 老将行         | (103) |
| 桃源行         | (105) |
| 李 白:蜀道难     | (107) |
| 长相思(二首)     | (110) |
| 行路难         | (111) |
| 将进酒         | (112) |
| 杜 甫:兵车行     | (114) |
| 丽人行         | (115) |
| 哀江头         | (117) |
| 哀王孙         | (119) |

## 卷五·五言律诗

|               |       |
|---------------|-------|
| 李隆基:经鲁祭孔子而叹之  | (121) |
| 张九龄:望月怀远      | (122) |
| 王 勃:送杜少府之任蜀州  | (123) |
| 骆宾王:在狱咏蝉      | (124) |
| 杜审言:和晋陵陆丞早春游望 | (125) |
| 沈佺期:杂 诗       | (126) |

|                     |       |
|---------------------|-------|
| 宋之问:题大庾岭北驿 .....    | (127) |
| 王 湾:次北固山下 .....     | (128) |
| 常 建:破山寺后禅院 .....    | (129) |
| 岑 参:寄左省杜拾遗 .....    | (130) |
| 李 白:赠孟浩然 .....      | (130) |
| 渡荆门送别 .....         | (131) |
| 送友人 .....           | (132) |
| 听蜀僧濬弹琴 .....        | (133) |
| 夜泊牛渚怀古 .....        | (134) |
| 杜 甫:春 望 .....       | (134) |
| 月 夜 .....           | (135) |
| 春宿左省 .....          | (136) |
| 出此门有悲往事 .....       | (137) |
| 月夜忆舍弟 .....         | (138) |
| 天末怀李白 .....         | (139) |
| 奉济驿重送严公四韵 .....     | (140) |
| 别房太尉墓 .....         | (140) |
| 旅夜书怀 .....          | (141) |
| 登岳阳楼 .....          | (142) |
| 王 维:辋川闲居赠裴秀才迪 ..... | (143) |
| 山居秋暝 .....          | (144) |
| 归嵩山作 .....          | (145) |
| 终南山 .....           | (145) |
| 酬张少府 .....          | (146) |
| 过香积寺 .....          | (147) |
| 送梓州李使君 .....        | (148) |
| 汉江临眺 .....          | (149) |
| 终南别业 .....          | (150) |
| 孟浩然:临洞庭上张丞相 .....   | (150) |
| 与诸子登岷山 .....        | (151) |
| 宴梅道士山房 .....        | (152) |
| 岁暮归南山 .....         | (153) |
| 过故人庄 .....          | (154) |
| 秦中寄远上人 .....        | (154) |

|                      |       |
|----------------------|-------|
| 宿桐庐江寄广陵旧游 .....      | (155) |
| 留别王维 .....           | (156) |
| 早寒有怀 .....           | (157) |
| 刘长卿:秋日登吴公台上寺远眺 ..... | (158) |
| 送李中丞归汉阳别业 .....      | (159) |
| 饯别王十一南游 .....        | (160) |
| 寻南溪常道士 .....         | (160) |
| 新年作 .....            | (161) |
| 钱 起:送僧归日本 .....      | (162) |
| 谷口书斋寄杨补阙 .....       | (163) |
| 韦应物:淮上喜会梁州故人 .....   | (164) |
| 赋得暮雨送李曹 .....        | (164) |
| 韩 翃:酬程近秋夜即事见赠 .....  | (165) |
| 刘眘虚:阙 题 .....        | (166) |
| 戴叔伦:江乡故人偶集客舍 .....   | (167) |
| 卢 纶:送李端 .....        | (168) |
| 李 益:喜外弟又言别 .....     | (169) |
| 司空曙:云阳馆与韩绅宿别 .....   | (170) |
| 喜见外弟卢纶见宿 .....       | (171) |
| 贼平后送人北归 .....        | (172) |
| 刘禹锡:蜀先主庙 .....       | (173) |
| 张 籍:没蕃故人 .....       | (174) |
| 白居易:草 .....          | (175) |
| 杜 牧:旅 宿 .....        | (176) |
| 许 浑:秋日赴阙题潼关驿楼 .....  | (177) |
| 早 秋 .....            | (178) |
| 李商隐:蝉 .....          | (178) |
| 风 雨 .....            | (179) |
| 落 花 .....            | (180) |
| 凉 思 .....            | (181) |
| 北青萝 .....            | (181) |
| 温庭筠:送人东游 .....       | (182) |
| 马 戴:灞上秋居 .....       | (183) |
| 楚江怀古 .....           | (183) |

|                  |       |
|------------------|-------|
| 张 乔:书边事 .....    | (184) |
| 崔 涂:除夜有怀 .....   | (185) |
| 孤 雁 .....        | (185) |
| 杜荀鹤:春宫怨 .....    | (186) |
| 韦 庄:章台夜思 .....   | (187) |
| 僧皎然:寻陆鸿渐不遇 ..... | (188) |

## 卷六·七言律诗

|                         |       |
|-------------------------|-------|
| 崔 颢:黄鹤楼 .....           | (189) |
| 行经华阴 .....              | (190) |
| 祖 咏:望蓟门 .....           | (191) |
| 崔 曙:九日登望仙台呈刘明府 .....    | (192) |
| 李 颀:送魏万之京 .....         | (193) |
| 李 白:登金陵凤凰台 .....        | (193) |
| 高 适:送李少府贬峡中王少府贬长沙 ..... | (194) |
| 岑 参:和贾至舍人早朝大明宫之作 .....  | (195) |
| 王 维:和贾至舍人早朝大明宫之作 .....  | (196) |
| 奉和圣制从蓬莱向兴庆阁道中留          |       |
| 春雨中春望之作应制 .....         | (197) |
| 积雨辋川庄作 .....            | (198) |
| 赠郭给事 .....              | (199) |
| 杜 甫:蜀 相 .....           | (200) |
| 客 至 .....               | (201) |
| 野 望 .....               | (201) |
| 闻官军收复河南河北 .....         | (202) |
| 登 高 .....               | (203) |
| 登 楼 .....               | (204) |
| 宿 府 .....               | (204) |
| 阁 夜 .....               | (205) |
| 咏怀古迹(五首) .....          | (206) |
| 刘长卿:江州重别薛六、柳八二员外 .....  | (209) |
| 长沙过贾谊宅 .....            | (210) |
| 自夏口至鸚鵡洲望岳阳寄元中丞 .....    | (211) |
| 钱 起:赠阙下裴舍人 .....        | (212) |

|                                                                               |       |
|-------------------------------------------------------------------------------|-------|
| 韦应物:寄李儋元锡 .....                                                               | (212) |
| 韩 翃:同题仙游观 .....                                                               | (213) |
| 皇甫冉:春 思 .....                                                                 | (214) |
| 卢 纶:晚次鄂州 .....                                                                | (215) |
| 柳宗元:登柳州城楼寄漳、汀、封、连四州刺史 .....                                                   | (216) |
| 刘禹锡:西塞山怀古 .....                                                               | (217) |
| 元 稹:遣悲怀三首 .....                                                               | (218) |
| 白居易:自河南经乱,关内阻饥,兄弟离散,各在一处。<br>因望月有感,聊书所怀,寄上浮梁大兄、于潜<br>七兄、乌江十五兄,兼示符离及下邳弟妹 ..... | (220) |
| 李商隐:锦 瑟 .....                                                                 | (221) |
| 无 题 .....                                                                     | (222) |
| 隋 宫 .....                                                                     | (222) |
| 无 题(二首) .....                                                                 | (223) |
| 筹笔驿 .....                                                                     | (225) |
| 无 题 .....                                                                     | (226) |
| 春 雨 .....                                                                     | (226) |
| 无 题(二首) .....                                                                 | (227) |
| 温庭筠:利州南渡 .....                                                                | (229) |
| 苏武庙 .....                                                                     | (230) |
| 薛 逢:宫 词 .....                                                                 | (231) |
| 秦韬玉:贫 女 .....                                                                 | (232) |
| 乐 府 .....                                                                     |       |
| 沈佺期:独不见 .....                                                                 | (233) |
| <br>卷七·五言绝句                                                                   |       |
| 王 维:鹿 柴 .....                                                                 | (234) |
| 竹里馆 .....                                                                     | (234) |
| 送 别 .....                                                                     | (235) |
| 相 思 .....                                                                     | (235) |
| 杂 诗 .....                                                                     | (236) |
| 裴 迪:送崔九 .....                                                                 | (236) |
| 祖 咏:终南望余雪 .....                                                               | (237) |
| 孟浩然:宿建德江 .....                                                                | (238) |

|                   |       |
|-------------------|-------|
| 春 晓 .....         | (238) |
| 李 白:夜 思 .....     | (239) |
| 怨 情 .....         | (239) |
| 杜 甫:八阵图 .....     | (240) |
| 王之涣:登鹳雀楼 .....    | (241) |
| 刘长卿:送灵澈 .....     | (241) |
| 弹 琴 .....         | (242) |
| 送上人 .....         | (242) |
| 韦应物:秋夜寄丘员外 .....  | (243) |
| 李 端:听 箏 .....     | (244) |
| 王 建:新嫁娘 .....     | (245) |
| 权德舆:玉台体 .....     | (245) |
| 柳宗元:江 雪 .....     | (246) |
| 元 稹:行 宫 .....     | (247) |
| 白居易:问刘十九 .....    | (247) |
| 张 祜:何满子 .....     | (248) |
| 李商隐:登乐游原 .....    | (249) |
| 贾 岛:寻隐者不遇 .....   | (249) |
| 李 频:渡汉江 .....     | (250) |
| 金昌绪:春 怨 .....     | (251) |
| 西鄙人:哥舒歌 .....     | (252) |
| 乐 府               |       |
| 崔 颢:长干行(二首) ..... | (252) |
| 李 白:玉阶怨 .....     | (253) |
| 卢 纶:塞下曲(四首) ..... | (254) |
| 李 益:江南曲 .....     | (255) |

### 卷八·七言绝句

|                     |       |
|---------------------|-------|
| 贺知章:回乡偶书 .....      | (256) |
| 张 旭:桃花溪 .....       | (257) |
| 王 维:九月九日忆山东兄弟 ..... | (257) |
| 王昌龄:芙蓉楼送辛渐 .....    | (258) |
| 闺 怨 .....           | (259) |

|                    |       |
|--------------------|-------|
| 春宫怨 .....          | (259) |
| 王 翰:凉州曲 .....      | (260) |
| 李 白:送孟浩然之广陵 .....  | (260) |
| 下江陵 .....          | (261) |
| 岑 参:逢入京使 .....     | (261) |
| 杜 甫:江南逢李龟年 .....   | (262) |
| 韦应物:滁州西涧 .....     | (262) |
| 张 继:枫桥夜泊 .....     | (263) |
| 韩 翃:寒 食 .....      | (264) |
| 刘方平:月 夜 .....      | (265) |
| 春 怨 .....          | (265) |
| 柳中庸:征人怨 .....      | (266) |
| 顾 况:宫 词 .....      | (267) |
| 李 益:夜上受降城闻笛 .....  | (267) |
| 刘禹锡:乌衣巷 .....      | (268) |
| 春 词 .....          | (268) |
| 白居易:宫 词 .....      | (269) |
| 张 祜:赠内人 .....      | (269) |
| 集灵台(二首) .....      | (269) |
| 题金陵渡 .....         | (270) |
| 朱庆余:宫中词 .....      | (271) |
| 近试上张水部 .....       | (272) |
| 杜 牧:将赴吴兴登乐游原 ..... | (272) |
| 赤 壁 .....          | (273) |
| 泊秦淮 .....          | (273) |
| 寄扬州韩绰判官 .....      | (274) |
| 遣 怀 .....          | (274) |
| 秋 夕 .....          | (275) |
| 赠别(二首) .....       | (275) |
| 金谷园 .....          | (276) |
| 李商隐:夜雨寄北 .....     | (276) |
| 寄令狐郎中 .....        | (277) |
| 为 有 .....          | (277) |
| 隋 宫 .....          | (278) |

---

|                  |       |
|------------------|-------|
| 瑶池 .....         | (278) |
| 嫦娥 .....         | (279) |
| 贾生 .....         | (279) |
| 温庭筠:瑶瑟怨 .....    | (280) |
| 郑畋:马嵬坡 .....     | (280) |
| 韩偓:已凉 .....      | (281) |
| 韦庄:金陵图 .....     | (282) |
| 陈陶:陇西行 .....     | (283) |
| 张泌:寄人 .....      | (283) |
| 无名氏:杂诗 .....     | (284) |
| 乐府 .....         |       |
| 王维:渭城曲 .....     | (285) |
| 秋夜曲 .....        | (285) |
| 王昌龄:长信怨 .....    | (286) |
| 出塞 .....         | (286) |
| 李白:清平调(三首) ..... | (287) |
| 王之涣:出塞 .....     | (288) |
| 杜秋娘:金缕衣 .....    | (289) |

## 卷一·五言古诗

**张九龄**（678—740）字子寿，韶州曲江（今广东省韶关市）人。开元时期有名的宰相，又是盛唐前期开一代诗风的人物。他五言古诗，以素练质朴的语言，寄托深远的人生慨望，对扫除唐初所沿习的六朝绮靡诗风，贡献尤大。

### 感遇(选二) 其一

兰叶春葳蕤<sup>①</sup>，桂华秋皎洁<sup>②</sup>。欣欣此生意，自尔为佳节<sup>③</sup>。谁知林栖者<sup>④</sup>，闻风坐相悦<sup>⑤</sup>。草木有本心<sup>⑥</sup>，何求美人折<sup>⑦</sup>。

〔注释〕①葳蕤：音 wēi rú，草木枝叶茂盛下垂的样子。②桂华：桂花。

③自尔：自此，自然地。④林栖者：隐居山林中的人。⑤闻风：闻到风传来的香气，而生爱慕之心。坐：因而。⑥本心：天性。⑦美人：指林栖者。

〔译诗〕兰叶繁盛芬芳在春天，桂花皎洁飘香在秋季。在不同的季节吐露生机，点缀春意，充实秋景。林中居者，闻到芳香攀花折枝。散发飘香是它们的天性，不是为了希望别人将其攀折。

〔赏析〕这首诗以比兴手法，寓意于高雅清香的春兰秋桂，不慕求虚荣，不阿谀权贵；芳香出于自然，不是为了博取别人欣赏。以此来自勉、自娱，透露出诗人洁身自好，坚贞清高，不与佞臣同流合污的高尚气节。

### 其二

江南有丹橘，经冬犹绿林。岂伊地气暖<sup>①</sup>？自有岁寒心<sup>②</sup>。可以荐嘉客，奈何阻重深<sup>③</sup>。运命唯所遇，循环不可寻<sup>④</sup>。徒言树桃李<sup>⑤</sup>，此木岂无阴<sup>⑥</sup>？

〔注释〕①岂伊：岂唯。②岁寒心：比喻坚贞的节操。③阻重深：指道路被重重阻塞。④循环：周而复始。寻：追究。⑤树：种植。⑥阴：同“荫。”

[译诗]江南盛产红橘，经严寒之后橘林仍葱葱绿绿。这难道是地气暖和使然？原来橘树自有喜欢傲雪的气质。款待亲朋红橘当之无愧，怎奈路途遥远山水阻隔。命运难测只能听其所遇，如同四季变更更不能追寻。世人都偏爱栽种桃李，难道橘树不也是绿荫葱茏吗！

[赏析]这一篇也是以橘喻人。

屈原曾经写过一篇《橘颂》，赞美橘树具有的“与世独立，横而不流”的品格；《古诗》又有“委身玉盘中，历年冀见食”的句子，比喻贤者要求用世。张九龄此诗，兼有这两种意思。

橘树之叶经冬不凋，这不是因为地气暖的原因，而是因其自身具有凌寒傲霜的品质。诗人将它比喻自己。这丹橘本可以让嘉客食用的，然而阻碍重重，无法献达，这大概是命运了。人们都说要种桃种李，其实丹橘不仅果实可以待嘉客，而且四季不凋，随时都有美荫，哪点不如桃李呢？这几句诗比喻自己也有贤人一样的美德，但不被人识，只能徒自不平。

这首诗，设喻恰当，抒发情怀又圆转自如，故历来为人称诵。

**李 白** (701—762)字太白，凉武昭王九世孙，蜀人。天才奇特，游长安，贺知章见其文曰：“谪仙人也。”言于玄宗，召见，论当世事，诏供奉翰林，眷遇甚优。因忤杨贵妃，放还。永王璘迫致之府，璘起兵，白逃回。坐璘府僚当诛。先是尝救郭子仪，至是子仪请解官以赎。诏长流夜郎，赦还。客当涂令李阳冰所。代宗立，以左拾遗召，而白已卒。太白诗纵横变化，凌云百代，所谓天授，非人可及。集中“兴酣落笔摇五岳，诗成啸傲凌沧洲”二语，惟太白足以当之。王士禛谓：七言歌行子美似《史记》，太白似《庄子》。供奉断句尤妙绝古今，别有天地。子美每饭不忘君国，太白亦然。特天性不羁，故放浪于诗酒间，其忧时伤乱之心，实与少陵无异也。安得徒以诗人目之？

## 下终南山过斛斯山人宿置酒<sup>①</sup>

暮从碧山下，山月随人归。却顾所来径<sup>②</sup>，苍苍横